चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.03.25	2	3-5

औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को जागरूक करें वैज्ञानिक: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

हकृवि में अश्वगंधा पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 25 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में अश्वगंधा दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा 'अश्वगंधा की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि औषधीय पौधों की खेती की ओर बढ़ते रुझान के दृष्टिगत किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रशिक्षण देने की भी जरूरत है। औषधीय फसलों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती एक फायदेमंद विकल्प बनती जा रही है।

अश्वगंधा को बहुत कम पौषक तत्वों की जरूरत होती है। कम पानी, कम लागत और बेहतर बाजार मूल्य के कारण यह फसल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर औषधीय पौधों की खेती करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा अश्वगंधा की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यशाला में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि अश्वगंधा की खेती के लिए हल्की दोमट एवं बलुई मिट्टी लाभदायक होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अश्वगंधा को लेकर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। डॉ. भूपेन्द्र ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. जीएस दहिया, औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी, किसान एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26.03.25	11	3-8

दी जानकारी हकृवि में 'अश्वगंधा की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' पर कार्यशाला आयोजित

किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती एक फायदेमंद विकल्प बनी : प्रो. काम्बोज

औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को जागरूक करें वैज्ञानिक

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में अश्वगंधा दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा 'अश्वगंधा की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि औषधीय पौधों की खेती की और बढ़ते रुझान के दृष्टिगत किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रशिक्षण देने की भी जरूरत है। औषधीय फसलों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती एक फायदेमंद विकल्प बनती जा रही है। अश्वगंधा को बहुत कम पौषक तत्वों की जरूरत होती है। कम पानी, कम लागत और बेहतर बाजार मूल्य के कारण यह फसल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

हिसार : कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

उन्होंने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर औषधीय पौधों की खेती करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

ये रहे मौजूद

उन्होंने कार्यक्रम में आए हुए अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों और विद्यार्थियों को अश्वगंधा के पौधे देकर सम्मानित किया। कार्यशाला में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि अश्वगंधा की खेती के लिए हल्की दोमट एवं बलुई मिट्टी लाभदायक होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अश्वगंधा को लेकर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। डॉ. भूपेन्द्र ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. जीएस दहिया, औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26.03.25	4	7-8

औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को जागरूक करें वैज्ञानिक : प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि में आयोजित कार्यशाला में संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में अश्वगंधा दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा 'अश्वगंधा की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि औषधीय पौधों की खेती की और बढ़ते रुझान के दृष्टिगत किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रशिक्षण देने की भी जरूरत है। औषधीय फसलों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती एक फायदेमंद विकल्प बनती जा रही है। अश्वगंधा को बहुत कम पौषक तत्वों की जरूरत होती है। कम पानी व बेहतर बाजार मूल्य के कारण यह फसल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.03.025	3	6-7

औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को जागरूक करें वैज्ञानिक: प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में अश्वगंधा दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा 'अश्वगंधा की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि औषधीय पौधों की खेती की ओर बढ़ते रुझान के दृष्टिगत किसानों को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षण देने की भी जरूरत है। औषधीय फसलों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती एक फायदेमंद विकल्प बनती जा रही है। अश्वगंधा को बहुत कम पौषक तत्वों की जरूरत होती है। कम पानी, कम लागत और बेहतर बाजार मूल्य के कारण यह फसल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर औषधीय पौधों की खेती करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि आयुर्वेद, यूनानी और एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी अश्वगंधा का उपयोग बढ़ता जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26.03.25	11	1-3

औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को जागरूक करें वैज्ञानिक : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में अश्वगंधा पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 25 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में अश्वगंधा दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा 'अश्वगंधा की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि औषधीय पौधों की खेती की ओर बढ़ते रुझान के दृष्टिगत किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रशिक्षण देने की भी जरूरत है। औषधीय फसलों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती एक फायदेमंद विकल्प बनती जा रही है। अश्वगंधा को बहुत कम पौषक तत्वों की जरूरत होती है। कम पानी, कम लागत और बेहतर बाजार मूल्य के कारण यह फसल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर औषधीय पौधों की खेती करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा अश्वगंधा की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कुलपति ने कहा कि आयुर्वेद, युनानी और एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी अश्वगंधा का उपयोग बढ़ता जा रहा है। यह मानसिक तनाव, शारीरिक कमजोरी, हृदय रोग, मधुमेह और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में सहायक है। बाजार में अश्वगंधा की जड़ों, पाउडर, और कैप्सूल की बढ़ती मांग के कारण किसानों को अच्छा लाभ मिल सकता है। उन्होंने बताया कि किसान अश्वगंधा जैसी औषधीय फसलों की खेती करके और वैज्ञानिक तरीकों को अपना कर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने अश्वगंधा के सुखाने की प्रक्रिया, भण्डारण तथा संरक्षण की तकनीक पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम में आए हुए अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों और विद्यार्थियों को अश्वगंधा के पौधे देकर सम्मानित किया। कार्यशाला में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि अश्वगंधा की खेती के लिए हल्की दोमट एवं बलुई मिट्टी लाभदायक होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अश्वगंधा को लेकर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। डॉ. भूपेन्द्र ने मंच का संचालन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	25.03.25	--	--

औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को जागरूक करें वैज्ञानिकः प्रो. बीआर काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में अश्वगंधा दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा 'अश्वगंधा की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि औषधीय पौधों की खेती की ओर बढ़ते रुझान के दृष्टिगत किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रशिक्षण देने की भी जरूरत है। औषधीय फसलों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती एक फायदेमंद विकल्प बनती जा रही है।

फोटो चरण कार्यक्रम मे उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी

स्वास्थ्य के लिए रामबाण है अश्वगंधा

कुलपति ने कहा कि आयुर्वेद, युनानी और एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी अश्वगंधा का उपयोग बढ़ता जा रहा है। यह मानसिक तनाव, शारीरिक कमजोरी, हृदय रोग, मधुमेह और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में सहायक है। बाजार में अश्वगंधा की जड़ो, पाउडर, और कैप्सूल की बढ़ती मांग के कारण किसानों को अच्छा लाभ मिल सकता है। उन्होंने बताया कि किसान अश्वगंधा जैसी औषधीय फसलों की खेती करके और वैज्ञानिक तरीकों को अपना कर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने अश्वगंधा के सुखाने की प्रक्रिया, भण्डारण तथा संरक्षण की तकनीक पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम में आए हुए अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों और विद्यार्थियों को अश्वगंधा के पौधे देकर सम्मानित किया।

अश्वगंधा को बहुत कम पौषक तत्वों की जरूरत होती है। कम पानी, कम लागत और बेहतर बाजार मूल्य के कारण यह फसल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर औषधीय पौधों की खेती करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा अश्वगंधा की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अश्वगंधा की खेती के लिए हल्की दोमट एवं बलुई मिट्टी लाभदायक

कार्यशाला में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि अश्वगंधा की खेती के लिए हल्की दोमट एवं बलुई मिट्टी लाभदायक होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अश्वगंधा को लेकर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। डॉ. भूपेन्द्र ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. जीएस दहिया, औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी, किसान एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.03.25	4	1-2

एचएयू में राष्ट्रीय एकता शिविर में 13 प्रदेशों के 200 विद्यार्थी पहुंचे

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के साथ स्वयंसेवक और अधिकारी। स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक, शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न 13 राज्यों के 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया।

इस दौरान एनएसएस अवॉर्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर डागर, विभिन्न राज्यों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों सहित महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, अधिकारी, वैज्ञानिक आदि मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	26.3.25	9	4-7

स्वयंसेवक अनुशासन व निस्वार्थ सेवा कर बने दूसरों के लिए रोल मॉडल : वाइस चांसलर

- हकृवि में एनएसएस शिविर के पांचवे दिन कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि एवं शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि युवाओं में व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण करके राष्ट्र को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। स्वयंसेवक अनुशासन, ईमानदारी व निस्वार्थ सेवा कर दूसरों के लिए रोल मॉडल बनें। शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मोटिवेशन कम्युनिकेशन स्किल तथा एटीट्यूड होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि डर और भय डिसीजन मेकिंग को खत्म कर देता है। इसलिए युवाओं को अपना लक्ष्य निर्धारित करके कड़ी मेहनत करनी चाहिए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एम.एल. खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न 13 राज्यों के 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि एवं शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्र नमन कौशिक ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चन्द्रशेखर डागर आदि उपस्थित रहे।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ स्वयंसेवक व अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26.03.25	5	3-5

स्वयंसेवक अनुशासन, ईमानदारी व निस्वार्थ सेवा कर बने दूसरों के लिए रोल मॉडल : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 25 मार्च (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि एवं शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि युवाओं में व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण करके राष्ट्र को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। स्वयंसेवकों के द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों से आम नागरिकों में ऊर्जा एवं प्रेरणा की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवकों में नेतृत्व गुण, भाईचारा, टीम भावना और जोखिम उठाने की क्षमता कायम होती है। स्वयंसेवकों में सामाजिक सेवा की भावना विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता, ग्रामीण विकास और स्वच्छता अभियान चलाने से लोगों को प्रेरणा मिलती है। युवा शक्ति को निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जीवन में चुनौतियां और बाधाएं बहुत है। विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान होगा। शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो जेपी शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मोटिवेशन कम्युनिकेशन स्किल तथा एटीट्यूड होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि डर और भय डिसीजन मेकिंग को खत्म कर देता है। इसलिए युवाओं को अपना लक्ष्य निर्धारित करके कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, विभिन्न राज्यों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ स्वयंसेवक व अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.03.25	3	7-8

हकृवि में एन.एस.एस. शिविर के पांचवे दिन कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 25 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ स्वयंसेवक व अधिकारीगण।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि एवं शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एम.एल. खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न 13 राज्यों के 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्र नमन कौशिक ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	25.03.25	--	--

स्वयंसेवक अनुशासन, ईमानदारी व निस्वार्थ सेवा कर बनें दूसरों के लिए रोल मॉडल : प्रो. कांबोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ स्वयंसेवक व अधिकारीगण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि एवं शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि युवाओं में व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण करके राष्ट्र को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। स्वयंसेवकों के द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों से आम नागरिकों में ऊर्जा एवं प्रेरणा की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवकों में नेतृत्व गुण, भाईचारा, टीम भावना और जोखिम उठाने की क्षमता कायम होती है। स्वयंसेवकों में सामाजिक सेवा की भावना विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता, ग्रामीण विकास और स्वच्छता अभियान चलाने से लोगों को प्रेरणा मिलती है। युवा शक्ति को निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जीवन में चुनौतियां और बाधाएं बहुत है। विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एम.एल. खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न 13 राज्यों के 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्र नमन कौशिक ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, विभिन्न राज्यों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।